ISSN: 2393-8048
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Multilingual, Indexed, Double Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal.
SJIF Impact Factor =8.152, July-December 2025, Submitted in October 2025

आर्थिक जीवन पर कृषि आधारित उद्योगों से आया परिवर्तनः सिरसा जिले के संबंध में एक भौगोलिक एवं आर्थिक अध्ययन

अश्विनी कुमार, शोधार्थी, भूगोल विभाग, टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर
डॉ. संपत राम, सहायक आचार्य, भूगोल विभाग, टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर

सारांश

प्रस्तुत शोध पत्र हरियाणा के सिरसा जिले में कृषि आधारित उद्योगों (Agro&based Industries) के विकास और उनसे स्थानीय निवासियों के आर्थिक जीवन में आए क्रांतिकारी परिवर्तनों का विश्लेषण करता है। सिरसा जिला, जो अपनी उच्च कपास और गेहूँ उत्पादकता के लिए जाना जाता है, यहाँ ''सफेद सोना'' (कपास) पर आधारित प्रसंस्करण इकाइयों, राइस मिलों और तेल मिलों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था का स्वरूप बदल दिया है। शोध यह स्पष्ट करता है कि इन उद्योगों ने न केवल रोजगार के नए अवसर सृजित किए हैं, बल्कि प्रति व्यक्ति आय और जीवन स्तर (Standard of Living) में भी वृद्धि की है।

परिचय

सिरसा जिला हरियाणा के पश्चिमी भाग में स्थित है और भौगोलिक दृष्टि से उपजाऊ मैदानी क्षेत्र है। कृषि यहाँ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। जब कृषि उत्पादों का उपयोग कच्चे माल के रूप में उद्योगों में किया जाता है, तो उसे ''कृषि आधारित उद्योग'' कहते हैं। सिरसा में विशेष रूप से कपास ओटाई (Cotton Ginning), कताई मिलें, और खाद्य तेल उद्योग प्रमुख हैं।

विगत दशकों में, सिरसा में उद्योगों के आगमन से पारंपरिक कृषि संरचना में बदलाव आया है। अब किसान केवल उपज बेचने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह औद्योगिक श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। यह अध्ययन सिरसा जिले की आर्थिक प्रगति में इन उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

प्रस्तावित शोध के सोपान

इस शोध को पूर्ण करने के लिए निम्नलिखित चरणों का पालन प्रस्तावित हैः

समस्या का निरूपणः सिरसा के संदर्भ में कृषि–उद्योग संबंधों की पहचान।

क्षेत्र का सीमांकनः सिरसा, ऐलनाबाद, डबवाली और कालांवाली जैसे औद्योगिक केंद्रों का चयन।

आंकड़ों का स्रोतः प्राथमिक सर्वेक्षण (Interview) और द्वितीयक आंकड़े (Government Reports)।

डेटा का विश्लेषणः सांख्यिकीय विधियों (Correlation & Regression) का प्रयोग।

व्याख्या एवं निष्कर्षः आर्थिक परिवर्तनों का मूल्यांकन।

रिसर्च गैप

पूर्व के अध्ययनों में हरियाणा के कृषि विकास पर व्यापक चर्चा हुई है, परंतु सिरसा जिले के विशिष्ट संदर्भ में, विशेषकर GST के बाद और आधुनिक तकनीक (Automation) के आने से स्थानीय मजदूरों और सीमांत किसानों के आर्थिक जीवन में आए सूक्ष्म परिवर्तनों पर केंद्रित शोध की कमी है। यह शोध इसी अंतराल को भरने का प्रयास करता है।

शोध समस्या

मुख्य समस्या यह है कि क्या सिरसा जिले में कृषि–आधारित उद्योगों का लाभ समाज के सभी वर्गों (विशेषकर छोटे किसानों और भूमिहीन मजदूरों) तक पहुँच रहा है। इन उद्योगों ने वास्तव में ग्रामीण गरीबी को कम करने और आर्थिक स्थिरता लाने में प्रभावी भूमिका निभाई हैं।

साहित्य समीक्षा

अग्रवाल (2018): उनके अनुसार, हरियाणा के पश्चिमी जिलों में कृषि आधारित लघु उद्योगों ने ग्रामीण आय में 20: की प्रत्यक्ष वृद्धि की है।

मलिक एवं दहिया (2020): सिरसा की कॉटन मिलों के अध्ययन में पाया गया कि इन इकाइयों ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में बड़ी भूमिका निभाई है।

सरकारी रिपोर्ट (2023): सिरसा जिला उद्योग केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार, यहाँ कृषि आधारित एमएसएमई (MSME) की संख्या में पिछले 5 वर्षों में 15: की वृद्धि दर्ज की गई है।

विधि तंत्र

शोध के लिए निम्नलिखित विधियों का चयन किया गया हैः

सर्वेक्षण क्षेत्रः सिरसा जिले के 5 विकास खंड (Blocks)।

नमूना चयन (Sampling): 150 परिवार (50 किसान, 50 मिल श्रमिक, 50 उद्यमी)।
उपकरण: प्रश्नावली, व्यक्तिगत साक्षात्कार और अवलोकन।
डेटा विश्लेषण: आंकड़ों को सरल बनाने के लिए बार–डायग्राम और पाई–चार्ट का उपयोग।

उद्देश्य

सिरसा जिले में कृषि आधारित उद्योगों के वर्तमान स्वरूप और वितरण का अध्ययन करना।
इन उद्योगों के माध्यम से रोजगार सृजन के स्तर का पता लगाना।
किसानों की आय और बाजार पहुँच (Market Access) पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण करना।
औद्योगिक विकास के मार्ग में आने वाली बाधाओं की पहचान करना।

परिकल्पना

H1: कृषि आधारित उद्योगों के विकास से सिरसा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर में उल्लेखनीय कमी आई है।
H2: इन उद्योगों के कारण किसानों को उनकी फसल का उचित और प्रतिस्पर्धी मूल्य प्राप्त हो रहा है।
H3: बुनियादी ढांचा विकास (सड़क और परिवहन) सीधे तौर पर औद्योगिक सघनता से जुड़ा है।

महत्व

यह शोध न केवल शिक्षाविदों के लिए बल्कि स्थानीय नीति निर्माताओं और भावी उद्यमियों के लिए भी उपयोगी है। यह सिरसा के आर्थिक मॉडल को समझने में मदद करेगा कि कैसे कृषि और उद्योग एक–दूसरे के पूरक बन सकते हैं। यह अध्ययन ''क्षेत्रीय विकास'' (Regional Development) की योजना बनाने के लिए एक ठोस आधार प्रदान करता है।

निष्कर्ष

निष्कर्षत:, सिरसा जिले में कृषि आधारित उद्योगों ने आर्थिक जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। ''सफेद सोना'' (कपास) ने यहाँ की औद्योगिक पहचान बनाई है। यद्यपि बिजली की दरें और कच्चे माल की कीमतों में उतार–चढ़ाव चुनौतियां पैदा करते हैं, फिर भी इन उद्योगों ने सिरसा को हरियाणा के एक महत्वपूर्ण ''इकोनॉमिक हब'' के रूप में स्थापित किया है। किसानों के जीवन में समृद्धि और श्रमिकों की क्रय शक्ति में वृद्धि इसके स्पष्ट प्रमाण हैं।

ग्रंथ सूची

हरियाणा आर्थिक सांख्यिकी (2024): सरकारी प्रकाशन।
सिंह, जे. (2021): भारत का कृषि भूगोल, कल्याणी पब्लिशर्स।
जिला उद्योग प्रोफाइल – सिरसा: MSME विकास संस्थान।
हुड्डा, एस-: "Impact of Agro&processing Industries in Haryana", रिसर्च जर्नल।
अखबारी स्रोत: ट्रिब्यून एवं दैनिक भास्कर (सिरसा संस्करण) के कृषि लेख।